हेनरी फोर्ड

हेनरी

कई लोगों का यह मानना है कि हेनरी फोर्ड ने ऑटोमोबाइल का आविष्कार किया था, पर यह सम्मान जर्मन आविष्कारक कार्ल बेंज को जाता है. लेकिन हेनरी ने ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए जो कुछ किया वह हमेशा याद किया जाएगा.

फोर्ड की सबसे बड़ी खोज मॉडल-टी कार थी. मॉडल-टी संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बड़ी सफलता थी - वो अमेरिका के श्रमिक वर्ग के लोगों के लिए सस्ती थी. फोर्ड ने कार उत्पादन को सस्ता बनाने के लिए असेंबली लाइन का इस्तेमाल किया.

फोर्ड ने कार खरीदने के लिए लोगों को पैसे उधार देने के लिए एक क्रेडिट कंपनी भी बनाई. लोग ब्याज के साथ छोटे मासिक भुगतान में ऋण चुकाते थे. बाद में कार खरीदने का यह सबसे लोकप्रिय तरीका साबित हुआ.

हेनरी फोर्ड ने कार उद्योग को अपने नए तरीकों से हमेशा के लिए बदल दिया. उन्होंने इसे कड़ी मेहनत और एक अभिनव दिमाग के साथ किया.

हेनरी फोर्ड बाद के वर्षों में अपनी बनाई पहली ऑटोमोबाइल में बैठे हुए.

शुरूआती साल

हेनरी फोर्ड का जन्म 30 जुलाई, 1863 को हुआ था. उन्होंने अपने शुरुआती साल मिशिगन के डियरबर्न में बिताए. वे अपने परिवार के फार्म पर काम करते थे. उन्हें खेती का काम पसंद नहीं था क्योंकि उन्हें यह काम उबाऊ लगता था.

अपने खाली समय में हेनरी लोहार की वर्कशॉप में काम करते थे. वह मशीनों का डिजाइन और निर्माण करना चाहते थे. वो निश्चित तौर पर जानते थे कि किसी दिन हल और गाड़ियों का काम मशीनी-घोड़ों द्वारा होगा.

हेनरी एक अच्छे छात्र थे. उनका पसंदीदा विषय गणित था जिसमें उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. उनके अंकगणित कौशल ने उन्हें बाद में कार डिजाइन करने में मदद दी.

हेनरी फोर्ड एक छोटे बच्चे के रूप में.

पहली नौकरी

हेनरी ने 17 साल की उम्र में परिवार के फार्म को छोड़ दिया. वह कई अलग-अलग चीजों के बारे में सीखना चाहता थे. इसलिए वह डेट्रायट चले गए और वहां उन्होंने फ्लावर मशीन शॉप में नौकरी की. दुकान में बड़े पीतल और लोहे के पुर्ज़े जैसे - वाल्व और आग बुझाने के उपकरण बनाये जाते थे. पर हेनरी जल्द ही उस काम से थक गए और नौ महीने बाद ही उन्होंने नौकरी छोड़ दी.

हेनरी की अगली नौकरी ऐसी थी जिसमें उनकी बेहद रूचि थी. वहां उन्हें बहुत मूल्यवान अनुभव भी मिला. उन्होंने डेट्रायट ड्रायडॉक कंपनी में काम किया, जो स्टीमशिप इंजन का निर्माण करती थी.

हेनरी 1882 में एक प्रमाणित मशीन-मिस्त्री बन गया. वेस्टिंगहाउस कंपनी ने उसे मिशिगन के आसपास स्टीम इंजन लगाने और उनकी मरम्मत के लिए काम पर रखा. हेनरी लगातार हलके और अधिक शक्तिशाली इंजनों के निर्माण के बेहतर तरीके के बारे में सोचते रहे.

एडिसन इल्लुमिनाशन कंपनी के कर्मचारी.
हेनरी फोर्ड सबसे ऊपर की पंक्ति में है, दाईं ओर से तीसरे.

1888 में, हेनरी ने क्लारा ब्रायंट से शादी की. अपने खाली समय में, उन्होंने अपनी वर्कशॉप में एक हल्के इंजन पर काम किया. 1891 तक, हेनरी ने एक छोटा इंजन डिजाइन किया, जो गैसोलीन के जलने से चलता था.

हेनरी के इंजनों के ज्ञान की वजह से थॉमस एडिसन ने उन्हें एडिसन इल्लुमिनेटिंग कंपनी में चीफ इंजीनियर की नौकरी दी. हेनरी ने उन जनरेटरों को चलाया जो एडिसन के ग्राहकों को बिजली की आपूर्ति करते थे. 1893 में, फोर्ड ने अपने बेटे - एदसेल के जन्म का जश्न मनाया.

उनकी पहली कारें

1894 में हेनरी ने आखिरकार अपनी पेट्रोल चालित कार का निर्माण किया. उन्होंने इंजन को चार पहियों वाली गाड़ी पर रखा, और फिर उस पर सवारी की. पड़ोसियों ने हेनरी फोर्ड को बड़े विस्मय से देखा. उन्होंने इसे "बिना घोड़ों वाली गाड़ी" का नाम दिया और फिर उसे बेचना शुरू किया.

क्योंकि हेनरी पूरे समय कारें बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने एडिसन इल्युमिनेटिंग की नौकरी छोड़ दी. अब वो एक शांत, मजबूत इंजन डिजाइन करना चाहते थे.

जून 1903 तक, हेनरी ने डेट्रायट में एक छोटी फैक्ट्री शुरू की, जिसे फोर्ड मोटर कंपनी कहा जाता था. उन्होंने कारों के निर्माण के लिए 10 श्रमिकों को काम पर रखा.

पहली कार

वह आदमी जिसने दुनिया को सबसे पहले पहियों पर सवारी कराई. हेनरी फोर्ड, 1896 में बनी अपनी पहली कार के साथ.

1903 में बानी मॉडल-A कार.

पहली ऑटोमोबाइल (गाडी) एक महीने में बनकर बाहर निकली. इसे मॉडल-ए कहा गया. इसमें दो फॉरवर्ड स्पीड, रिवर्स गियर और 30 मील (48 किलोमीटर) प्रति घंटे की टॉप स्पीड थी. प्रत्येक कार की कीमत 850 डॉलर थी. अगले महीने तक, फोर्ड एक दिन में 15 कार बना रहे थे. पहले साल हेनरी ने लम्बे घंटे काम किया. अक्सर वह अपने मज़दूरों की मदद करते थे. उनकी मेहनत रंग लाई. 1905 तक, व्यवसाय इतना अच्छा चला कि फोर्ड को अपने पहले कारखाने को छोड़ना पड़ा. कंपनी ने एक नई फैक्ट्री का निर्माण किया जो पहली फैक्ट्री से से 10 गुना बड़ी थी. हेनरी दुनिया में सबसे प्रसिद्ध कार निर्माता बनने की राह पर थे.

मॉडल-टी

मॉडल-ए हेनरी की सफलता से उन्हें यह पता था कि लोग कार खरीदना चाहते थे. कारों के निर्माण का उन्हें अच्छा भविष्य दिखा. उन्होंने एक सस्ती कार बनाने का फैसला किया, जिसे हर कोई खरीद सकता था. हेनरी ने कहा, "ऑटोमोबाइल बनाने का बढ़िया तरीका है कि एक ऑटोमोबाइल को, दूसरी ऑटोमोबाइल की तरह ही बनाओ." यदि आप एक ही डिज़ाइन की कारें बनाते हैं, तो उनका वॉल्यूम यानि संख्या बढ़ जाएगी और तब कार की कीमत सस्ती होगी. "मैं एक ऐसी कार बनाना चाहता हूं जिसे हर कामकाजी आदमी खरीद सके."

हेनरी ने 1908 में इस कार मॉडल-टी निर्माण किया. मॉडल-टी कार ने हमेशा के लिए अमरीकी राष्ट्र का चेहरा बदल दिया. कार के हुड ने सामने वाले इंजन को कवर किया. इसके चार सिलेंडर 45-मील प्रति घंटे की तेज़ गति पैदा कर सकते थे और यह कार एक गैलन गैस से 20 मील चलती थी.
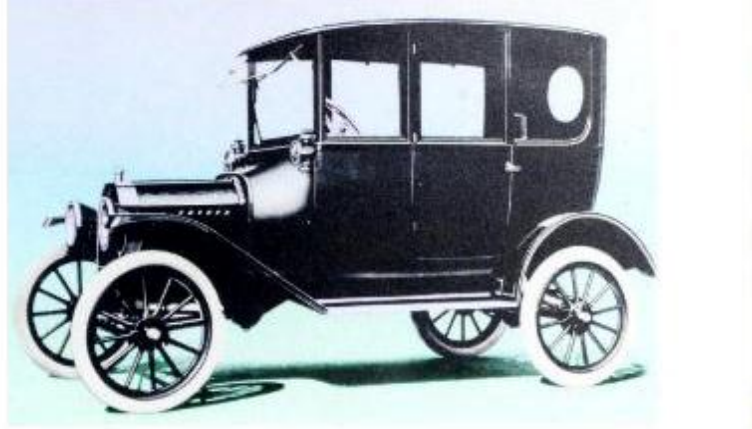
फोर्ड मोटर कंपनी का गौरव: मॉडल-टी कार.

मॉडल-टी इतना सफल हुआ कि फोर्ड को एक बहुत बड़े कारखाने की आवश्यकता हुई. हेनरी ने दुनिया की सबसे बड़ी कार फैक्ट्री बनाने का फैसला किया.

फैक्ट्री कंक्रीट, स्टील से बनी और इसमें 50,000 वर्ग फुट से अधिक खिड़कियाँ थीं. नए कारखाने को क्रिस्टल पैलेस के रूप में जाना गया. फोर्ड की यह फैक्ट्री 1910 में कारखाने में चालू हुई.

असेम्बली लाइन

नए कारखाने में, श्रमिकों ने मॉडल-टी को एक असेंबली लाइन पर बनाया, जिसने उत्पादन को बहुत सस्ता बना दिया. इस अवधारणा ने कार निर्माण में क्रांति ला दी, और अब किसी आम अमरीकी नागरिक के लिए कार खरीदना बहुत आसान हो गया.

फोर्ड ने पारंपरिक तरीके से मॉडल-ए कार को बनाया. मज़दूर कारखाने के फर्श पर अपने स्वयं के स्थान पर ही खड़े रहते थे, जबकि कार उनके सामने से गुज़रती थी. कार बनाने के लिए मज़दूरों को को प्रत्येक स्थल पर कार के पुर्ज़ों को लेकर जाना पड़ता था.

असेंबली लाइन से मॉडल-टी आगे बढ़ती थी, जबकि मज़दूर एक स्थान पर रहते थे. प्रत्येक मज़दूर कार में एक हिस्सा फिट करता था. जैसे ही मॉडल-टी मज़दूरों के पास से गुज़रती वो कार में एक में एक हिस्सा फिट कर देते थे.

विपरीत पृष्ठ: मॉडल-टी फोर्स्स असेंबली लाइन छोड़ने के बाद डिलीवरी के लिए तैयार.

असेंबली लाइन के साथ, प्रत्येक कार का उत्पादन समय 12.5 घंटे से घटकर 2 घंटे और 38 मिनट हो गया. 1913 तक, फोर्ड प्रति वर्ष 200,000 कारें बेच रही थी. जनवरी 1914 तक फोर्ड हर 93 मिनट में एक मॉडल-टी बना रही थी.

हेनरी ने असेंबली लाइन का आविष्कार नहीं किया था. लेकिन उन्होंने इसका अच्छा इस्तेमाल किया - और वो एक अमेरिकी हीरो बन गए. अब लगभग हर कोई कार खरीद सकता था. 1924 तक हेनरी ने एक करोड़ मॉडल-टी बेचीं. लेकिन अचानक, 1925 में मॉडल-टी की बिक्री घटने लगी. मॉडल-टी प्रतियोगिता के साथ मुकाबला नहीं कर पाई. नई कारों में एक सेल्फ स्टार्टर था जिसमें चाबी घुमाने के साथ इंजन शुरू हो जाता था.

न्यू मॉडल-ए

हेनरी को उस कार को बदलने में कठिनाई हुई जिसने उन्हें अमीर और प्रसिद्ध बनाया था. उन्होंने नए मॉडल बनाने पर जोर दिया. लेकिन बिक्री में गिरावट जारी रही.

फोर्ड मोटर कंपनी ने 25 मई 1927 को घोषणा की कि वह एक नई कार का निर्माण करेगी. इसे नया मॉडल-ए कहा गया. घोषणा के समय हेनरी ने मॉडल-टी को अलविदा कह दिया.

"मॉडल-टी एक अग्रणी मॉडल है," उन्होंने संवाददाताओं की भीड़ से कहा. "चीजें बदल रही हैं. एक नई कार की नई ज़रूरतें है, लेकिन मॉडल-टी हमेशा अपने योगदान के लिए अमेरिकी इतिहास में हमेशा एक विशेष स्थान रखेगी. यह वो पहली कार थी जो अच्छी सड़कें बनने से पहले खराब सड़कों पर दौड़ी. उस कार ने बाधाओं को तोड़ा और वो लोगों को एक-दूसरों के करीब लाई. हमें अभी भी मॉडल-टी फोर्ड पर गर्व है."

अगले दिन हेनरी ने कारखाने में डेढ़ करोड़वीं और आखिरी मॉडल-टी की सवारी की. फिर कंपनी ने अपनी भलाई के लिए मॉडल-टी असेंबली लाइन को बंद कर दिया.

पहला नया मॉडल-ए अक्टूबर 1927 में असेंबली लाइन से बाहर निकला. 1 दिसंबर 1927 को कार डीलरों से उसके बारे में पूछताछ की गई. सभी को नया मॉडल बहुत पसंद आया. जल्द ही, जनता ने हजारों की तादाद में नया मॉडल खरीदा.

नया मॉडल-ए, मॉडल-टी की तुलना में अधिक आधुनिक था. इसमें एक शांत, अधिक शक्तिशाली चार सिलेंडर का इंजन था जो प्रति घंटे 65 मील (105 किमी) जा सकता था. इसमें एक इग्निशन सिस्टम भी था जिसने कार को चाबी घुमाते ही शुरू होता था. यहां तक कि उसमें एक सेफ्टी-ग्लास विंडशील्ड भी था जिसे तोड़ना मुश्किल था.

नया मॉडल बहुत सफल हुआ. 1928 तक कंपनी रोज़ाना 6400 कारें बना रही थी. 1929 में कंपनी ने 20 लाख से ज़्यादा कारें बनायीं.

हेनरी फोर्ड (बाएं) अंतिम मॉडल-टी में सवारी करते हुए.

मॉडल-टी का उत्तराधिकारी, नया मॉडल-ए.

फोर्ड के सामने बड़ी मुश्किलें

"नया मॉडल-ए एक बड़ी सफलता थी. हेनरी चाहते थे कि हरेक के पास एक मॉडल-ए हो. इसके लिए उन्होंने लोगों से अपनी फाइनेंस कंपनी, यूनिवर्सल क्रेडिट कंपनी के माध्यम से कार खरीदने के लिए लोन लेने को कहा. फोर्ड ने खरीदारों को पैसा उधार दिया जो उन्हें छोटी मासिक किश्तों में चुकाना था. लगभग हर शख्स ने जिसने मॉडल-ए खरीदा उसने यूनिवर्सल से पैसा उधार लिया. यह आज भी कार खरीदने का सबसे लोकप्रिय तरीका है.

29 अक्टूबर, 1929 को शेयर बाजार टूट गया. इससे पूरे अमेरिका में भारी दहशत फैल गई. लोग अपना पैसा निकालने के लिए अपने- अपने बैंकों में भागे.

लेकिन अधिकांश बैंकों के पास पर्याप्त पैसा नहीं था कि वे सभी खाताधारकों का पैसा लौटा सकें. कई बैंक कारोबार से बाहर हो गए. लाखों लोगों ने अपनी बचत खो दी. खर्च करने के लिए पैसे नहीं होने से, कई धंधे चौपट हो गए. अब लोगों के पास पैसे या नौकरी नहीं थी. एक महामंदी शुरू हो गई थी.

शुरू में शेयर बाजार दुर्घटना ने फोर्ड को प्रभावित नहीं किया. हेनरी ने कुछ पैसा नहीं खोया. वास्तव में, उसके पास अपने कर्मचारियों को देने के लिए पर्याप्त नकदी थी. लेकिन 1931 तक, कार की बिक्री में गिरावट आई. कंपनी ने पैसे खोए और वो फोर्ड कंपनी का सबसे खराब साल रहा.

हेनरी तूफान को झेलना जानता था. उसने फोर्ड V-8 नामक एक नई कार का निर्माण किया. उसके पास एक आठ सिलेंडर का इंजन, एक नया ट्रांसमिशन और कीमत केवल 460 डॉलर थी.

V-8 बहुत अच्छी तरह से बिकी. 1934 तक, फोर्ड मोटर कंपनी फिर से मुनाफा कमा रही थी.
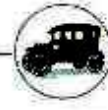
लोगों की ज़िंदगी को बदलना

7 दिसंबर, 1941 को जापानियों ने होनोलूलू में पर्ल हार्बर पर हवाई हमला किया. अचानक, अमेरिका भी दूसरे विश्व युद्ध में शामिल हो गया था जिसे जर्मनी ने 1939 में यूरोप में शुरू किया था. अमेरिका को जर्मनी और जापान से लड़ने के लिए कई टैंकों, ट्रकों की आवश्यकता थी.

हेनरी ने कारों का उत्पादन बंद कर दिया और युद्ध उपकरण बनाना शुरू कर दिया. यहां तक कि उसने डेट्रायट के पास एक नया कारखाना बनाया. आखिर में, फोर्ड ने प्रति माह 650 बॉम्बर बनाए.

1943 में उस समय त्रासदी हुई जब एडसेल फोर्ड की कैंसर से मृत्यु हो गई. इससे भी अधिक, हेनरी का स्वास्थ्य खराब हो रहा था इसलिए वो अपनी कंपनी के प्रमुख नहीं रख सके. तभी उनका पोता हेनरी फोर्ड द्वितीय, नौसेना से लौटा और उसने अपने दादाजी का पदभार संभाला.
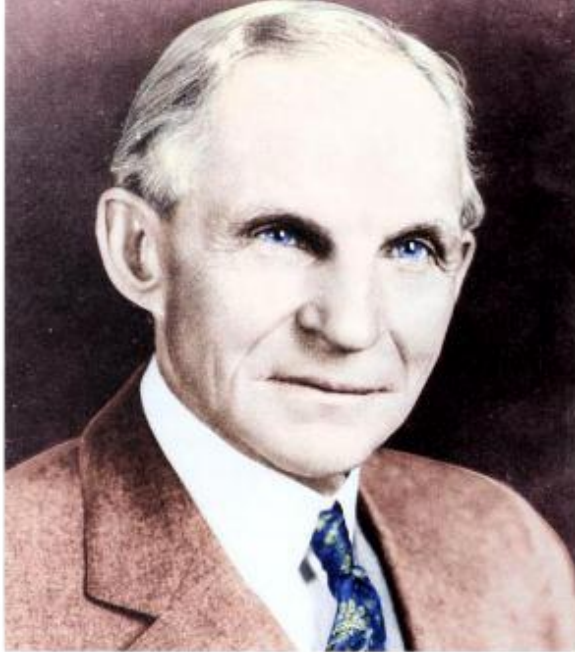
आविष्कारक हेनरी फोर्ड

हेनरी अपने पोते से खुश थे. हेनरी द्वितीय ने बहुत मेहनत की और कंपनी को बेहतर चलाने में मदद की. अब फोर्ड का भविष्य सुरक्षित था.

हेनरी ने अपना पूरा ध्यान फोर्ड फाउंडेशन की ओर लगाया. फोर्ड फाउंडेशन ने स्कूलों, संग्रहालयों और अन्य सामाजिक संगठनों को पैसा दिया.

1947 को पक्षाघात से 84 साल की उम्र में हेनरी फोर्ड का देहांत हुआ. वो अपना अधिकतर धन फोर्ड फाउंडेशन के लिए छोड़ गए, जिसने यह पैसा सामाजिक कार्यों पर खर्च किया. फोर्ड फाउंडेशन अमरीका का सबसे बड़ा दानी संगठन है.

हेनरी फोर्ड को लोग हमेशा एक नायाब आविष्कारक के रूप में याद करेंगे जिसने अपने काम से पूरी दुनिया की तस्वीर को बदला.

समाप्त